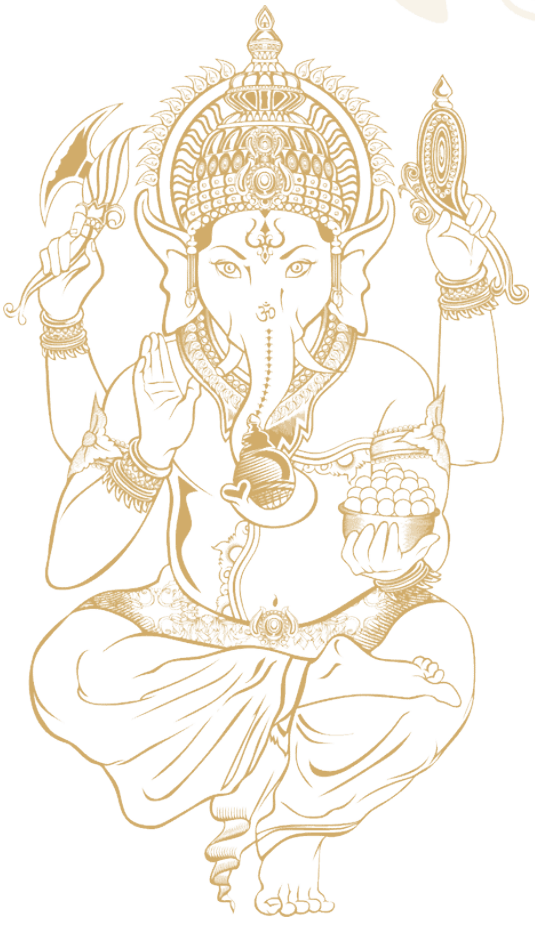

Var

Vaishali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121283105

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/06/1994	जन्म तिथि	27/09/2002
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 21:30:00	जन्म समय	07:20:00 घंटे
घटी 40:14:57	जन्म समय(घटी)	02:51:15 घटी
India	देश	India
Ballabgarh	स्थान	Delhi
28:20:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:19:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:44	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:01	सूर्योदय	06:11:55
19:20:23	सूर्यास्त	18:12:05
23:47:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:26

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 7वर्ष 11मा 17दि	08:50:10	मक	लग्न	कन्या	24:02:31	सूर्य 0वर्ष 0मा 29दि
बुध	05:18:38	मिथु	सूर्य	कन्या	09:54:04	राहु
07/06/2021	26:41:45	तुला	चंद्र	वृष	09:49:14	27/10/2019
08/06/2038	26:41:27	मेष	मंगल	सिंह	24:13:15	26/10/2037
बुध 04/11/2023	12:29:11	मिथु व	बुध व	कन्या	11:21:24	राहु 09/07/2022
केतु 31/10/2024	11:10:54	तुला व	गुरु	कर्क	17:33:55	गुरु 01/12/2024
शुक्र 01/09/2027	12:29:34	कर्क	शुक्र	तुला	18:25:10	शनि 08/10/2027
सूर्य 07/07/2028	18:36:52	कुंभ	शनि	मिथु	05:00:05	बुध 27/04/2030
चन्द्र 07/12/2029	29:39:07	तुला	राहु व	वृष	17:02:10	केतु 15/05/2031
मंगल 04/12/2030	29:39:07	मेष	केतु व	वृश्चि	17:02:10	शुक्र 15/05/2034
राहु 23/06/2033	01:35:35	मक व	हर्ष व	कुंभ	01:35:39	सूर्य 09/04/2035
गुरु 28/09/2035	28:48:18	धनु व	नेप व	मक	14:27:14	चन्द्र 08/10/2036
शनि 08/06/2038	02:02:18	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:16:58	मंगल 26/10/2037

लग्न-चलित

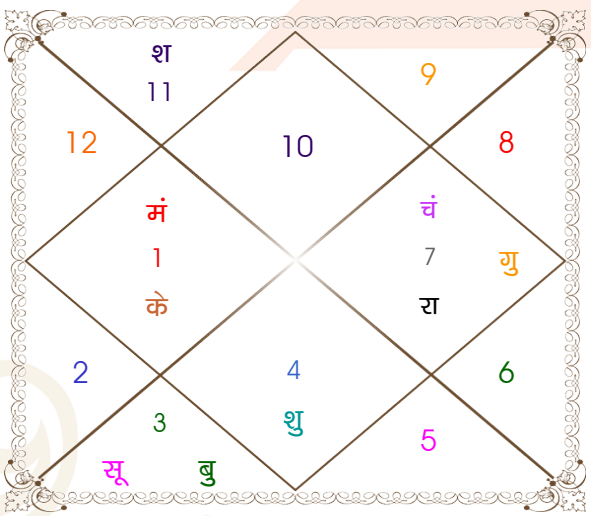

लग्न-चलित

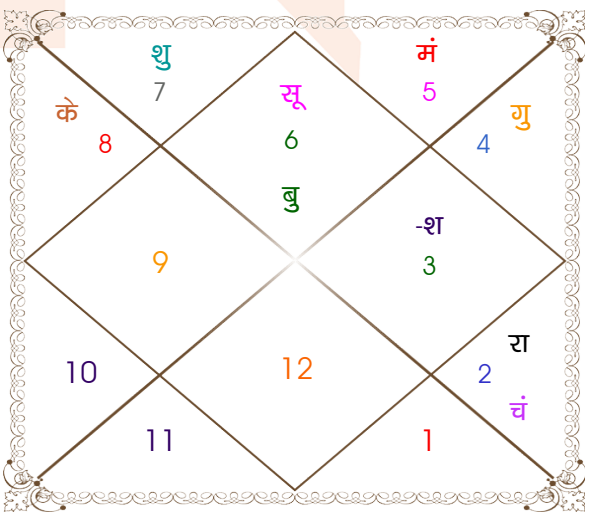

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Var का वर्ग सर्प है तथा Vaishali का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Var और Vaishali का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Var मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Var कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Var कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Vaishali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Var तथा Vaishali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।